



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 150]
No. 150]

नई दिल्ली, शुक्रवार, फरवरी 17, 2006/माघ 28, 1927
NEW DELHI, FRIDAY, FEBRUARY 17, 2006/MAGHA 28, 1927

वित्त मंत्रालय
(आर्थिक कार्य विभाग)
(बैंकिंग प्रभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 14 फरवरी, 2006

का.आ. 222(अ).—छत्तीसगढ़ सरकार, केन्द्रीय सरकार के राज्य वित्तीय निगम अधिनियम, 1951 (1951 का 63) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 29, धारा 30, धारा 31 और धारा 32क से 32छ के उपबंधों छत्तीसगढ़ राज्य औद्योगिक विकास निगम लिमिटेड जो छत्तीसगढ़ राज्य सरकार द्वारा स्थापित एक संस्थान हो, को लागू करने का अनुरोध करती है जिसका उद्देश्य औद्योगिक संमुस्थानों को वित्तपोषण करना हो।

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 46 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निदेश देती है कि धारा 29, धारा 30, धारा 31 और धारा 32क से धारा 32छ के उपबंध उक्त छत्तीसगढ़ के राज्य औद्योगिक विकास निगम लिमिटेड को भी लागू होंगे।

[फा. सं. 6(5)/2005/आईएफ-II]

राम मुईवा, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

(BANKING DIVISION)

NOTIFICATION

New Delhi, the 14th February, 2006

S.O. 222(E).—Whereas the Government of Chhattisgarh have requested the Central Government that the provisions of Sections 29, 30, 31 and 32A to 32G of the State Financial Corporations Act, 1951 (63 of 1951) (hereinafter referred to as the said Act) may be made applicable to the Chhattisgarh State Industrial Development Corporation Limited, an institution established by the State Government of Chhattisgarh which has for its object the financing of industrial concerns.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 46 of the said Act, the Central Government hereby directs that the provisions of Sections 29, 30, 31 and 32A to 32G shall apply to the said Chhattisgarh State Industrial Development Corporation Limited.

[F.No. 6(5)/2005-IF. II]

RAM MUIVAH, Jt. Secy.